# डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
## पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125
## जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
## ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

**बुलेटिन संख्या–13**
**दिनांक– शुक्रवार, 13 फरवरी, 2026**

### विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय बेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 25.2 एवं 8.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 53 प्रतिशत, हवा की औसत गति 9.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.5 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 13.5 एवं दोपहर में 28.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

### मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
### (14–18 फरवरी, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 14–18 फरवरी, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल आ सकते है, हालांकि मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने का अनुमान है।
- औसतन 4–6 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 35 प्रतिशत रहने की संभावना है।

### • समसामयिक सुझाव

- समय से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो गाभा की अवस्था में आ गयी हो उसमें सिंचाई कर 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- बसन्तकालीन ईख एवं शकरकन्द की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। अक्टुवर–नवम्बर महीनों मे रोपी गई ईख की फसल में हल्की सिंचाई करे। जो किसान भाई बसन्तकालीन ईख लगाना चाहते हैं, खेत की तैयारी कर बुआई शुरु करें।
- केला की सूखी एवं रोगग्रस्त पत्तियों को काटकर खेत से बाहर करें। प्रति केला 200 ग्राम युरिया, 200 ग्राम म्युरेट ऑफ पोटाश एवं 100 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट का प्रयोग करे।
- इस समय आम में मंजर आ रहा है। जो किसान भाई आम में अभी तक कीटनाशक दवा का छिड़काव नहीं किए हैं, वे इमिडाक्लोरप्रिड (17.8 एस0एल0) दवा 1 मिलीलीटर प्रति 2 लीटर पानी की दर से और घुलनषील गंधक चूर्ण फूंदनाशक दवा (80 डब्लू0पी0) 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। इससे आम के पेड़ में मधुआ कीट एवं चूर्णित आसिता (पाउडरी मिलडीउ) रोग की उग्रता में कमी आती है।
- इस मौसम में सब्जियों वाली फसल में लाही कीट का प्रकोप की संभावना रहती है, यदि कीटों की संख्या अधिक हो तो इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- इस समय लहसुन एवं अगात बोयी गई प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का निगरानी करें। थ्रीप्स कीटों की संख्या अधिक दिखने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई0सी0 दवा का 1.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मि.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। अच्छे परिणाम हेतु चिपकाने वाला पदार्थ जैसे टीपोल 1.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल में मिलावें।
- रवी मक्का की अगात फसल जिसमें धनबाल एवं मोचा आ गई हो, 40 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- पिछात बोयी गयी सरसों की फसल में लाही कीड़ों के प्रकोप का अनुकुल समय चल रहा है। इससे बचाव के लिए डाईमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- भिंडी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। बुआई के समय उन्नत किस्में जैसे परभनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार, के0एस0–312, ओकरा–04, पंजाब–7, पंत भिडी–1, काशी प्रगति तथा संकर किस्में जैसेः भवानी, कृष्णा, काषी भैरव, काशी महिमा आदि उपयुक्त है। बीज दर 15 से 18 किलों प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के समय 200 क्विंटल कम्पोस्ट, 120 किलोग्राम नेत्रजन, 60 किलोग्राम सल्फर तथा 60 किलग्राम पोटाश व्यवहार करें।
- गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई के लिए जिन किसान भाईयों की खेत की तैयारी हो चुकी है बुआई शुरु कर सकते हैं तथा जिन किसानों का खेत तैयार नही है वैसे किसान भाई खेतों की तैयारी जल्दी करें। 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस 20 ई0सी0 दवा का 2 लीटर प्रति एकड़ की दर से 20–30 किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। सब्जियों में निकाई–गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान हल्दी एवं ओल की तैयार फसलों की खुदाई प्राथमिकता से करें।
- चारा के लिए ज्वार, मकई और बाजरे की बुआई करे। चारे की लगी हुई फसलें जैसे–जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई 25–30 दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद खेतों में 10 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेशन करें।

| | |
|---|---|
| आज का अधिकतम तापमानः 26.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक | आज का न्यूनतम तापमानः 8.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.8 डिग्री सेल्सियस कम |

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी